प्रेस विज्ञप्ति

दिनांक २२ मार्च २०२१ को भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद का पूर्वी अनुसंधान परिसर , पटना में भूमि एवं जल प्रबंधन प्रभाग ने, 'विश्व जल दिवस' के उपलक्ष्य में बहुमूल्य जल पर जन जागृति एवं चेतना उत्पन्न करने के लिए किसान गोष्ठी आयोजित करके किसानों के साथ संवाद स्थापित किया. इस कार्यक्रम में नौबतपुर, पटना के लगभग पचास किसानों ने भाग लिया. इस वर्ष विश्व जल दिवस का मूल विषय 'वेल्यूइंग वाटर ' अर्थात 'जल का मूल्यांकन ' है. इस तथ्य से सभी को अवगत कराना आवश्यक है कि अगर आज हमने जल का सदुपयोग और सक्षम उपयोग करना नहीं सीखा तो निरंतर बढ़ती जनसँख्या के भरण पोषण के लिए सीमित संसाधनों से खाद्यान्न उपलब्ध कर पाना असंभव होगा. जल की बचत करना सीखें. वे तकनीकें अपनाएँ जिनसे जल का अपव्यय न हो और कृषि में जल का अधिक से अधिक उपयोग हो. भविष्य में शहरीकरण , औद्योगिकीकरण, व घरेलू उपयोग हेतु जल की मांग बढ़ने के कारण कृषि के लिए आवंटित जल कम हो जायेगा और कम जल से अधिक उपजाने की चुनौती हमारे समक्ष होगी. इस चुनौती से निपटने का एक मात्र उपाय है कि हमें 'जल उत्पादकता' बढ़ाना होगा.

जल अनमोल है. इसको व्यर्थ न बहने दें. इसको बर्बादी से बचाएं. तभी सिंचाई करें जब आवश्यक हो. बलुई मिट्टी में एक बार में कम पर ज्यादा बार सिंचाई करें. इसके विपरीत केवाल मिट्टी में एक बार में थोड़ा ज्यादा पर कम बार सिंचाई करें.

सिंचाई की आधुनिक तकनीकें अपनाएँ. सरकार सूक्ष्म सिंचाई व सौर ऊर्जा का उपयोग करने के लिए अनुदान दे रही है. किसान भाइयों को उसका लाभ उठाकर जल का सक्षम उपयोग करना चाहिए.

जल का बहुआयामी उपयोग भी एक सफल प्रयोग है. इसमें एक तालाब में मछली, मुर्गी, बत्तख पालन द्वारा एवं तालाब के चारो और मेड पर फल व सब्जियां में उस जल से सिंचाई करके जल उत्पादकता बढ़ायी जा सकती है.

वर्षा, नहर व भू जल का समेकित उपयोग भी कृषि उत्पादन में वृद्धि के लिए बहुत अच्छा विकल्प है. यह समयबद्धता बनाये रखने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करता है जिससे खरीफ रबी व गरमा फसलों का उत्पादन बढ़ जाता है.

किसानों में जल चेतना बढ़ाने हेतु , डॉ० आशुतोष उपाध्याय, प्रभागाध्यक्ष, भूमि एवं जल प्रबंधन प्रभाग ने काव्यात्मक शैली में अपने विचार प्रस्तुत कि ये है जो किसान भाइयों के लिए लाभप्रद रहे. इस गोष्ठी को संबोधित करते हुए संस्थान के निदेशक डॉ० उज्जवल कुमार ने कहा कि हम सभी को जल का एक एक कतरा बचाना चाहिए. इस संस्थान के विभिन्न प्रभागाध्यक्षों डॉ० अभय कुमार, डॉ० ए० के० चौधरी एवं डॉ० कमल शर्मा ने अपने अपने विचार व्यक्त किये. इस कार्यक्रम में किसानों के लिए कम जल से अधिक धान का उत्पादन करने वाले संस्थान के वैज्ञानिक डॉ० संतोष कुमार द्वारा विकसित उन्नत बीज 'स्वर्ण श्रेया' एवं 'स्वर्ण समृद्धि' का वितरण भी किया गया. कार्यक्रम के अंत में धन्यवाद ज्ञापन डॉ० अनिल कुमार सिंह ने किया.

विश्व जल दिवस
World Water Day
22 मार्च, 2021
Valuing Water | जल का मूल्य

विश्व जल दिवस
World Water Day
ICAR